IREDA को मिला नवरत्न का दर्जा

स्रोत: लाइव मिंट

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था **(Indian Renewable Energy Development Agency- IREDA)** ने लोक उद्यम विभाग (Department of Public Enterprises) से **'नवरत्न'** का दर्जा प्राप्त कर एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

- इरेडा (IREDA) की स्थापना वर्ष 1987 में एक गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के रूप में की गई थी, यह**नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय** (Ministry of New and Renewable Energy) के अधीन कार्य करता है तथा नवीकरणीय ऊर्जा/अक्षय ऊर्जा स्रोतों से संबंधित परियोजनाओं को प्रोत्साहित करता है व उनका विकास करता है।
- **नवरत्न विशेषाधिकार**: नवरत्न का दर्जा प्राप्त कंपनियाँ केंद्रीय प्राधिकरण की मंज़ूरी के बिना 1,000 करोड़ रुपए तक का निवेश कर सकती हैं, प्रति वर्ष निवल मूल्य का 30% आवंटित कर सकती हैं तथा संयुक्त उद्यम एवं विदेशी सहायक कंपनियों में भागीदारी कर सकती हैं।
- **अर्हता मानदंड:** नवरत्न का दर्जा प्राप्त करने के लिये कंपनियों को **मिनीरत्न श्रेणी-I का दर्जा** प्राप्त होना चाहिये तथा CPSE की अनुसूची ‘A’ में सूचीबद्ध होना चाहिये।

CPSEs का वर्गीकरण			
श्रेणी	**शुरुआत**	**मानदंड**	**उदाहरण**
महारत्न	▪ CPSEs के लिये **महारत्न योजना मई 2010 में शुरू** की गई थी, ताकि मेगा **CPSEs को अपने संचालन का विस्तार करने और वैश्विक दिग्गजों के रूप में उभरने के लिये** सशक्त बनाया जा सके।	▪ कंपनियों को **नवरत्न का दर्जा** प्राप्त होना चाहिये। ▪ कंपनी को **भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (Security Exchange Board of India- SEBI)** के नियामकों के अंतर्गत न्यूनतम निर्धारित सार्वजनिक हिस्सेदारी (Minimum Prescribed Public Shareholding) के साथ भारतीय शेयर बाज़ार में सूचीबद्ध होना चाहिये। ▪ विगत तीन वर्षों की अवधि में **औसत वार्षिक व्यवसाय** (Average Annual Turnover) **25,000 करोड़ रुपए से अधिक** होना चाहिये। ▪ पिछले तीन वर्षों में औ**सत वार्षिक निवल मूल्य** (Average Annual Net Worth) **15,000 करोड़ रुपए से अधिक** होना चाहिये। ▪ पिछले तीन वर्षों का **औसत वार्षिक शुद्ध**	▪ भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, गेल (इंडिया) लिमिटेड, आदि।

		लाभ (Average Annual Net Profit) **5,000 करोड़ रुपए से अधिक** होना चाहिये। ▪ कंपनियों की **व्यापार के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में महत्त्वपूर्ण उपस्थिति** होनी चाहिये।	
नवरत्न	▪ नवरत्न योजना **वर्ष 1997 में शुरू** की गई थी ताकि उन CPSEs की पहचान की जा सके जो अपने संबंधित क्षेत्रों में तुलनात्मक लाभ प्राप्त करते हैं और **वैश्विक अभिकर्त्ता बनने के उनके अभियान में उनका समर्थन** करते हैं।	▪ **मिनीरत्न श्रेणी - I और अनुसूची 'A' के तहत आने वाली CPSEs**, जिन्होंने पिछले पाँच वर्षों में से तीन में समझौता ज्ञापन प्रणाली के तहत **'उत्कृष्ट' या 'बहुत अच्छी' रेटिंग** प्राप्त की है और छह प्रदर्शन मापदंडों में 60 या उससे अधिक का समग्र स्कोर प्राप्त किया हो। ये **छह मापदंड** हैं: ◦ शुद्ध पूंजी और शुद्ध लाभ ◦ उत्पादन की कुल लागत के सापेक्ष मैनपॉवर पर आने वाली कुल लागत ◦ मूल्यह्रासकेपहले कंपनी का लाभ, वर्किंग कैपिटल पर लगा टैक्स और ब्याज ◦ ब्याज भुगतान से पहले लाभ और कुल बिक्री पर लगा कर ◦ प्रति शेयर कमाई ◦ अंतर-क्षेत्रीय प्रदर्शन	▪ भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, आदि।
मिनीरत्न	▪ मिनीरत्न योजना की **शुरुआत वर्ष 1997 में सार्वजनिक क्षेत्र को अधिक कुशल एवं प्रतिस्पर्द्धी बनाने** और लाभ कमाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को अधिक स्वायत्तता तथा शक्तियों का प्रत्यायोजन प्रदान करने के नीतिगत उद्देश्य के अनुसरण में की गई थी।	▪ **मिनीरत्न श्रेणी-1:** मिनीरत्न कंपनी श्रेणी 1 का दर्जा प्राप्त करने के लिये आवश्यक है कि कंपनी ने पिछले **तीन वर्षों से लगातार लाभ प्राप्त किया हो** तथा तीन साल में एक बार कम से कम 30 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया हो। ▪ **मिनीरत्न श्रेणी- 2 :** CPSE द्वारा **पिछले तीन साल से लगातार लाभ अर्जित किया हो और उसकी निवल संपत्ति सकारात्मक हो**, वे मिनीरत्न- II का दर्जा पाने के लिये पात्र हैं।	**श्रेणी-1:** भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, आदि। **श्रेणी-2:** भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO), भारत पंप्स एंड कंप्रेसर्स लिमिटेड (BPCL), आदि।

और पढ़ें: भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में सुधार, भारत का अक्षय ऊर्जा विज़न: IREDA

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ireda-gets-navratna-status